



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—ठप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 451]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 14, 1999/भाद्र 23, 1921

No. 451]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 14, 1999/BHADRA 23, 1921

वित्त मंत्रालय

(आधिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1999

सा.का.नि. 634(अ).—केन्द्र सरकार, निजी रूप से धारित स्वर्ण-भंडार को परिष्कालन में लाने के लिए, स्वर्ण के आयात पर देश की निर्भरता को कम करने के लिए और इसके भालिकों को उनके स्वामित्व में स्वर्ण के भंडारण, संचलन और सुरक्षा की समस्याओं से मुक्त करने के अतिरिक्त कुछ आय प्रदान करने के उद्देश्य से, एतद्वारा, अजट 1999-2000 में यथाधोषित स्वर्ण जमा योजना को अधिसूचित करती है।

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ (i) इस योजना को स्वर्ण जमा योजना 1999 कहा जाएगा।

(ii) यह तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

2. परिभाषा : इस योजना में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

(i) “नामित बैंक” का अर्थ है—योजना को चलाने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत बैंक।

(ii) “स्वर्ण प्रमाण पत्र” का अर्थ है—

योजना के अभिदाता द्वारा दिए गए स्वर्ण को परखने और भासित बैंक द्वारा जमा के रूप में उसे स्वीकार किए जाने के बाद उसे जारी की गई अन्तिम रसीद।

(iii) “लेखा विवरण” का अर्थ है जमाकर्ता द्वारा किए गए स्वर्ण के क्रेडिट और इसके नामे डालने, जहां ऐसा लेखा विद्युक्त रूप में रखा जाता है, को दर्शाने वाला विवरण।

(iv) “अभिदाता” का अर्थ है—भारत में रहने वाला कोई व्यक्ति जो—

(क) ऐसे व्यक्ति के रूप में हैंसियत रखने वाला कोई व्यक्ति हो अथवा किसी अवयस्क बच्चे की ओर से अभिभावक की भूमिका अदा करने वाला कोई व्यक्ति हो,

(ख) संयुक्त रूप से एक से अधिक व्यक्ति हो,

(ग) हिन्दू अविभाजित परिवार हो,

(घ) कोई न्यास हो,

(छ) कोई कंपनी हो,

जो इस योजना के अन्तर्गत नामित बैंक को स्वर्ण देता है।

(v) पास बुक का अर्थ है—योजना के बैंक द्वारा जारी की गई युस्तिका जिसमें योजना के अन्तर्गत दिए गए स्वर्ण की जमा तथा निकासी दर्शाई गई हो।

(vi) इस योजना में प्रयुक्त सभी अन्य शब्दों तथा अभिव्यक्तियों का तथा अपरिभाषितों का वही अर्थ होगा जो सामान्य उपबंध अधिनियम, 1897 के अन्तर्गत उन्हें दिया गया है।

3. योजना का परिचालन कौन कर सकता है ? सभी नामित बैंक रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित प्रचालन विवरण प्राप्त करके योजना का प्रचालन कर सकते हैं।

4. अभिदान का रूप : अभिदाता द्वारा स्वर्ण छड़ों, सिक्कों तथा स्वर्णाभूषणों के रूप में दिया जाएगा।

5. स्वर्ण के अभिदान के लिए आवेदन की प्रक्रिया : (i) इस योजना के अन्तर्गत स्वर्ण अभिदान करने का इच्छुक प्रत्येक अभिदाता नामित बैंक द्वारा यथा निर्धारित प्रपत्र में उक्त बैंक को आवेदन करेगा।

(ii) स्वर्ण की परख हो जाने के बाद नामित बैंक स्वर्ण स्वीकार करेगा तथा अभिदाता के विकल्प पर उसे—(क) स्वर्ण प्रमाणपत्र अथवा (ख) लेखा विवरण अथवा (ग) पास बुक जारी करेगा।

6. समय पूर्व भुगतान : स्वर्ण के रूप में अथवा नकदीकरण की तिथि को स्वर्ण मूल्य के समतुल्य नकद राशि के रूप में समयपूर्व भुगतान प्रारंभिक "लॉक-इन" अवधि के बाद अनुमेय किया जाएगा।

7. पुनर्भुगतान तथा ब्याज का भुगतान : (i) स्वर्ण प्रमाणपत्र का पुनर्भुगतान स्वर्ण के रूप में किया जाएगा। ऐसा पुनर्भुगतान अभिदाता के विकल्प पर परिषक्ता की तिथि को स्वर्ण के मूल्य के समतुल्य "रूपया" मुद्रा में भी किया जा सकता है। इस संबंध में विकल्प का निष्पादन नामित बैंक द्वारा निर्धारित तरीके से किया जाना होगा।

(ii) नामित बैंक रिजर्व बैंक द्वारा जारी स्वर्ण जमा संबंधी ब्याज दर दिशानिर्देश के अधीन रहते हुए अपने निर्णयानुसार दर तथा अंतरालों पर ब्याज का भुगतान करेगा।

8. नामांकन सुविधा : नामांकन सुविधा बैंकों में प्रवृत्त सामान्य रूपया जमा योजना पर उपलब्ध सुविधा के समान होगी।

9. स्वर्ण प्रमाणपत्र अंतरण : स्वर्ण प्रमाणपत्र पृष्ठांकन तथा सुपुर्दी द्वारा अंतरणीय होगा।

10. योजना की अवधि : यह योजना अगली सूचना तक प्रचालन में रहेगी।

[फा. सं. 1/1/सी.एम./99]

डा. जे. भगवती, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th September, 1999

G.S.R. 634(E).—The Central Government, with a view to bringing privately held stock of gold in circulation, reduce the country's reliance on import of gold and providing its owners with some income apart from freeing them from the problems of storage, movement and security of gold in their possession, hereby notifies the Gold Deposit Scheme as announced in the Budget, 1999-2000.

1. Short title and commencement.—(i) This scheme shall be called the Gold Deposit Scheme 1999.

(ii) It shall come into force immediately.

2. Definition.—In this Scheme unless the context otherwise requires,

(i) "Designated bank" means—a bank authorised by Reserve Bank to operate the Scheme.

(ii) "Gold Certificate" means—the final receipt issued to a subscriber of the Scheme after the gold tendered by him has been assayed and accepted as deposit by a designated bank.

(iii) "Statement of Accounts" means a statement reflecting the Credit of Gold tendered by the depositor and its Debit, where such account is being maintained in a dematerialised form.

(iv) "Subscriber" means—a person resident in India, being—

(a) an individual in his capacity as such individual or acting as guardian on behalf of a minor child,

(b) more than one individual jointly,

(c) a Hindu Undivided Family,

(d) a Trust,

(e) a Company

who tender gold to a designated Bank under this Scheme.

(v) Pass Book means—a book issued by a bank reflecting the deposit of Gold tendered under the Scheme and its withdrawal.

(vi) All other words and expressions used in this scheme and not defined shall have the meaning assigned to it under the General Clauses Act, 1897.

3. Who can operate the Scheme.—All designated banks may operate the Scheme after getting the operational details approved by the Reserve Bank.

4. Form of Subscription.—The Gold shall be tendered by a Subscriber in the form of Bars, Coins and Gold Jewellery.

5. Procedure for making application for suscription of Gold.—(i) Every subscriber desirous of making subscription of Gold under the Scheme shall apply to a designated bank in such form as may be prescribed by the said bank.

(ii) After the Gold has been assayed, the designated bank shall accept the Gold and at the option of the subscriber shall issue—(a) a Gold Certificate or (b) a Statement of Account or (c) a Passbook to the Subscriber.

6. Premature Payment.—Premature payment, either in the form of Gold or in Cash equivalent to the price of Gold on the date of encashment shall be allowed after initial lock in period.

7. Repayment and payment of interest.—(i) The Gold Certificate shall be repaid in Gold. Such repayment may also be made in rupee equivalent to the price of Gold as on the date of maturity at the option of the subscriber. The option in this regard will have to be exercised in the manner prescribed by the designated bank.

(ii) The designated bank shall pay interest at such rate and at such intervals as it may decide subject however, to the interest rate directive on Gold Deposit, issued by Reserve Bank.

8. Nomination facility.—The nomination facility shall be available on the lines of usual rupee deposit scheme prevalent in banks.

9. Transfer of Gold Certificate.—The Gold Certificate shall be transferable by endorsement and delivery.

10. Period of Scheme.—The Scheme shall remain in operation until further notice.

[F. No. 1/1/CM/99]

Dr. J. BHAGWATI, Jt. Secy.

